शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

माह- नवंबर, 2022

अष्ठम वर्ष अंक - 06

गाँव-गाँव जाकर बच्चों के मूलभूत दक्षताओं की जांच करें, उनमें आवश्यक सुधार करें !

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

एजेंडा एक: हिंदी विषय पर कक्षा में कार्य कैसे करें?

एक शिक्षक की भूमिका निश्चित रूप से संवेदनशील दायित्वों से भरी है। बच्चों के सीखने में शिक्षक की बड़ी भूमिका होती है, हालांकि कई बार शिक्षक बच्चों के सीखने का सारा भार अपने कंधों पर ही लेकर चलते हैं और यह मान कर चलते हैं कि बच्चों का सीखना तभी होगा जब शिक्षक कक्षा में बच्चों के साथ शिक्षण प्रक्रिया में संलग्न होंगे। सीखना एक सतत प्रक्रिया है और बच्चे अपनी जन्मजात क्षमताओं एवं सहज जिज्ञासु प्रवृत्ति से हर समय कुछ न कुछ सीखते ही रहते हैं। कक्षा में प्रिंट समृद्ध वातावरण बच्चों के सतत सीखने को बढ़ाने का कारगर तरीका है। शिक्षण प्रक्रिया के दौरान इसका उपयोग बच्चों के सीखने को सहज और सरल तो बनाता ही है, शिक्षकों की अनुपस्थिति में भी बच्चों का सीखना जारी रहता है।

शुरुआती कक्षाओं में लिखित समृद्ध वातावरण पाठ केन्द्रित होने के साथ अध्यापन करवाते हुए निर्मित किया जाये तो बच्चों के लिए उस पूरी पाठ्यवस्तु को पढ़ना और समझना बहुत आसान हो जाता है। यही प्रक्रिया माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले ऐसे बच्चे जो शुरुआती स्तर पर हैं, उन्हें पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करती है। इस माह के चर्चा पत्र में प्रिंट समृद्ध वातावरण के निर्माण व उसके उपयोग को रेखांकित करते हुए माह के प्रस्तावित पाठों में से दो पाठों की पाठ योजना दी जा रही है जिनमें लिखित समृद्ध माहौल का शिक्षण प्रक्रिया में उपयोग भी शामिल है।

प्राथमिक कक्षाओं के लिए कक्षा दो, 'ऊंट चला' की पाठ योजना दी गई है जिसमें मुख्य रूप से केंद्र में रखे जाने वाले चार कौशल मौखिक अभिव्यक्ति, डिकोडिंग, पठन और लेखन पर कार्य किया गया है। इस पाँच दिवसीय पाठ योजना में लिखित समृद्ध माहौल के निर्माण की प्रक्रिया भी शामिल है। पाठ योजना को विस्तार से देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें। Link: पाठ योजना- ऊंट चला

माध्यमिक कक्षाओं में कक्षा छह का पाठ नाचा के पुरखा दाऊ मंदरा जी की पाठ योजना दी गई है। पाठ को केंद्र में रखकर अलग-अलग सीखने के प्रतिफलों पर कार्य करने की प्रक्रिया के साथ ही बुनियादी और पिछली कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ केन्द्रित लिखित समृद्ध माहौल पर कार्य भी है। पाठ योजना को विस्तार से देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें। Link: पाठ योजना - नाचा के पुरखा दाऊ मंदरा जी

नवंबर माह का भाषा अध्यापन का सिलेबस कुछ इस प्रकार है ।

क्रमांक	कक्षा	इस माह में पढाएं पढ़ाये जाने वाले पाठों के नाम
1.	पहली	मेला, ओढ़नी
2.	दूसरी	ऊंट चला, आई एक खबर, चूहे को मिली पेंसिल
3.	तीसरी	कौन जीता, मैं हूँ महानदी, अगर पेड़ भी चलते होते
4.	चौथी	राजिम मेला, चल रे तुमा बाटे-बाट, पिंजरे का जीवन
5.	पांचवीं	पत्र, जीवन के दोहा, हार नहीं होती
6.	छठवीं	नांचा के पुरखा दाऊ मंदराजी, सरलता और सहृदयता, चचा छक्कन ने केले ख़रीदे
7.	सातवीं	काव्य माधुरी, वर्षा बहार, मितानी
8.	आठवीं	मनुज को खोज निकालो, बरसात के पानी ले भू-जल संग्रहण, तृतीय लिंग का बोध

एजेंडा दो :- सीखने के नुकसान की भरपाई के लिए गणित विषय पर कक्षा में कार्य कैसे करें?

अक्टूबर माह के चर्चा पत्र के एजेंडा 2 में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के साथ उपचारात्मक शिक्षण करते हुए प्रारम्भिक साक्षरता और गणित (FLN) के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षकों को गणित विषय पर कैसे कार्य करना है? विस्तार से जानकारी दी गई थी। साथ ही संकुल समन्वयकों के लिए संकुल बैठक को अकादमिक रूप से संचालित करने के लिए दिशा निर्देश के विचारणीय बिन्दु साझा किये गये थे। इन मुद्दों में माह वार दिए गए पाठ्यक्रम को लेकर सुनियोजित तरीके से बच्चों के अधिगम स्तर को बढ़ाने के लिए विशेष योजना बना कर क्रियान्वयन करने तथा अनुभव साझा करने के लिए भी कहा गया था। विभिन्न कारणों के चलते बहुत सी जगहों पर इस निर्देश के अनुसार क्रियान्वयन नहीं किया जा सका। आगामी नवम्बर माह में सभी शिक्षक अपनी कक्षा के सभी बच्चों को स्तरानुसार सीखने-सिखाने हेतु निम्न कार्य करेंगे – **माह नवंबर में कक्षा 1 से 8 तक निम्न पाठों का अध्ययन करवाया जाना है :**

कक्षा	कक्षा-1	कक्षा-2	कक्षा-3	कक्षा-4	कक्षा-5	कक्षा-6	कक्षा-7	कक्षा-8
पाठ	8. सौ तक की संख्या 9. लंबाई	7. लंबाई 8. भार	9. समय 10. ज्यामितीय आकृतियाँ	9. ज्यामिती 10. परिमाप	14.धारिता 15. मुद्रा	प्रतिशतता समीकरण	रेखीय युग्म एवं तिर्यक रेखाएँ चतुर्भुज	12.समीकरण 13. प्रतिशतता के अनुप्रयोग 14. क्षेत्रमिति -1

पिछले माह की भांति ही इस माह भी संकुल बैठकों में चर्चा करें कि उपरोक्त पाठों की पाठ योजना बनाते समय शिक्षकों को कुछ बातों पर विशेष ध्यान देना होगा जैसे- नवंबर माह में जो पाठ निर्धारित हैं उनमें से कक्षा 5 के एक पाठ **"धारिता"** को लेकर एक शिक्षक को किन-किन बातों को ध्यान में रखकर और कैसे सभी बच्चो के साथ कार्य करना चाहिए? उसका एक विवरण लिंक - 1 के माध्यम से दिया गया है जिसमें शिक्षक के लिए जरूरी है कि वह 1. दिए गए पाठ से सम्बंधित सीखने के प्रतिफल 2. उससे सम्बंधित पूर्व ज्ञान परीक्षण 3. पाठ आधारित दिनवार गतिविधियों का चयन 4. सीखने के प्रतिफल आधारित समेकित/ इकाई आकलन हेतु प्रपत्र आदि बातों का अवश्य ध्यान रखे। योजना बनाते समय ध्यान दिये जाने वाले सभी बिन्दुओं को विस्तृत रूप से समझने के लिए नीचे दिये गए लिंक पर क्लिक करके पढ़ें।

Link 1 : धारिता

संकुल बैठक में लिंक -1 में दी गई पाठ योजना पर चर्चा के बाद सभी कक्षाओं में पढ़ाये जाने वाले पाठ पर आधारित कक्षावार विस्तृत कार्य योजना बनाने के कार्य को संकुल में विकसित करें। संकुल समन्वयक योजना बनवाने में सहयोग करें और अकादमिक मॉनिटरिंग के दौरान संकुल में विकसित पाठ और कार्य योजना का अपने अकादमिक भ्रमण के दौरान अवलोकन करते हुए उस पर आधारित अपना प्रतिवेदन जमा करें।

Link : कक्षा 7 – चतुर्भुज

कक्षा 4 – परिमाप

कक्षा 2 - लंबाई

कक्षा 1 – संख्याएँ

कक्षा 3 - ज्यामितीय

कक्षा 8 – प्रतिशत

एजेंडा तीन: विकासखंड स्रोत समन्वयकों द्वारा किये गए कुछ नवाचार

राज्य के समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण धमतरी के अज़ीम प्रेमजी स्कूल में 30-30 के बेच में चल रहा है। इस दौरान बीआरसीसी द्वारा निम्नलिखित प्रमुख कार्यों को किया जाना सूचित किया गया-

बीआरसीसी, दरभा, बस्तर: स्थानीय स्तर पर बिग बुक बनाकर बच्चों के लिए कहानियों की पुस्तक तैयार कर उपयोग में लाया जा रहा है।

बीआरसीसी, भोपालपटनम, बीजापुर: जन-प्रतिनिधियों का सहयोग लेकर बंद स्कूलों को पन्द्रह वर्षों बाद पुनः खोलने की दिशा में कार्य किया गया।

बीआरसीसी, गीदम, दंतेवाड़ा: एकल शिक्षकीय शालाओं को स्मार्ट कक्षाओं में बदल जा रहा है ताकि बच्चे स्मार्ट क्लास के सहयोग से सीखना जारी रख सके।

बीआरसीसी, चारामा, कांकेर: शाला अनुदान के अंतर्गत प्राप्त राशि में से विभिन्न व्यय में कटौती करते हुए प्रोजेक्टर का प्रबंध किया गया है।

बीआरसीसी, नगरी, धमतरी: समुदाय के सहयोग से शालाओं में आवश्यकतानुसार संसाधन सुलभ करवाते हुए उनका विवरण विद्यान्जली में दर्ज किया।

बीआरसीसी, बस्तर: विकासखंड के सभी शिक्षकों को एलिमेंटरी एवं सेकन्डरी स्तर के अनुसार टेलीग्राम ग्रुप में सफलतापूर्वक शामिल किया गया।

बीआरसीसी, गौरेला, जीपीएम: 52 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक पुस्तकालयों की स्थापना की गयी है ताकि सभी पढने में रुचि ले सकें।

बीआरसीसी, डोंगरगढ़, राजनांदगाँव: बच्चों का सीखना-सिखाना रुचिकर बनाए जाने हेतु सभी प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शालाओं में स्मार्ट टीवी लगाये जाने की योजना है।

बीआरसीसी, करतला, कोरबा: सारे शालाओं में विद्यार्थी विकास सूचकांक का उपयोग करते हुए प्रत्येक बच्चे की एल ओ पर प्रगति देखी जा रही है।

बीआरसीसी, बेरला, बेमेतरा: शिक्षकों को एक दूसरे की शालाओं में क्या चल रहा है यह जानने समझने का अवसर देने सेल्फी विथ सक्सेस चलाया जा रहा है।

बीआरसीसी, अंबिकापुर: सभी शिक्षकों को अपनी शाला के बच्चों को अपने बच्चे जैसा मानते हुए "मेरा बच्चा है" कहते हुए उनसे जुडाव स्थापित करेंगे।

एजेंडा चार: रचनात्मक लेखन का अनुभव करवाना

हम सभी को अपने मन से, अपनी कल्पना से लिखने की आदत एवं कौशल को निखारने की अवसर मिलना चाहिए। लेखन की विभिन्न विधाओं में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। अपनी लिखी रचनाओं को किसी अखबार या पत्र-पत्रिकाओं में स्थान मिलने से जो खुशी मिलती है, उसका बयान नहीं किया जा सकता। ऐसे प्रोत्साहित करते रहने से लिखने की इच्छा और अधिक जागृत होती है। लिखते रहने से आपकी कल्पनाशीलता का भी बहुत अच्छा विकास होता है। राज्य में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की रचनाओं को शामिल कर प्रकाशित करने का बीड़ा किलोल पत्रिका ने उठाया है। प्रतिमाह निकलने वाले आनलाइन संस्करण में सभी प्राप्त आलेखों को स्थान दिया जाता है। इसके मुद्रित प्रति में कुछ चुनिन्दा आलेख ही स्थान पा सकते हैं।

आप स्वयं, अपने सगे-संबंधियों, विद्यार्थियों को गीत-कविता-कहानियाँ-चुटकुले-लोकोक्तियाँ आदि लिखने हेतु प्रेरित करें एवं उसे स्वच्छ स्पष्ट त्रुटिरहित यूनीकोड में टंकित कर ईमेल से - kilolmagazine@gmail.com पते पर भेज देवें। आपकी रचना को पत्रिका में स्थान मिल सकेगा और छपने पर और लिखने हेतु प्रोत्साहन भी मिलेगा। अधिक से अधिक साथियों को इस कार्य हेतु प्रेरित करें।

लेखन हेतु विषय अपने आसपास से लिए जा सकते हैं। आपको लिखने हेतु प्रोत्साहित करने एवं कविता "किवाड़" अवलोकनार्थ, आस्वादनार्थ एवं प्रोत्साहनार्थ उपलब्ध करवाई जा रही है। संकुल की बैठक में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कुछ टोपिक देकर उन्हें लिखने हेतु प्रेरित किया जा सकता है ! कोशिश करें !!

"किवाड़" ! हमारी प्राचीन संस्कृति व संस्कार की पहचान

क्या आपको पता है ?
कि "किवाड़" की जो जोड़ी होती है!
उसका एक पल्ला "पुरुष" और,
दूसरा पल्ला "स्त्री" होती है।
ये घर की चौखट से जुड़े-जड़े रहते हैं।
हर आगत के स्वागत में खड़े रहते हैं॥
खुद को ये घर का सदस्य मानते हैं।
भीतर बाहर के हर रहस्य जानते हैं॥
एक रात उनके बीच था संवाद।

इस घर में यह जो झरोखे,
और खिड़कियाँ हैं।
यह सब हमारे लड़के,
और लड़कियाँ हैं॥
तब ही तो,
इन्हें बिल्कुल खुला छोड़ देते हैं।
पूरे घर में जीवन रचा-बसा रहे,
इसलिये ये आती-जाती हवा को,
खेल ही खेल में ,
घर की तरफ मोड़ देते हैं॥

बड़े बाबू जी जब भी आते थे,
कुछ अलग सी साँकल बजाते थे।
आ गये हैं बाबूजी,
सब के सब घर के जान जाते थे ॥
बहुयें अपने हाथ का,
हर काम छोड़ देती थी।
उनके आने की आहट पा,
आदर में घूँघट ओढ़ लेती थी॥

चोरों को लाख-लाख धन्यवाद॥
वर्ना घर के लोग हमारी,
एक भी चलने नहीं देते।
हम रात को आपस में मिल तो जाते हैं,
हमें ये मिलने भी नहीं देते॥

घर की चौखट के साथ हम जुड़े हैं,
अगर जुड़े-जड़े नहीं होते।
तो किसी दिन तेज आंधी-तूफान आता,
तो तुम कहीं पड़ी होतीं,
हम कहीं और पड़े होते॥
चौखट से जो भी एकबार उखड़ा है।
वो वापस कभी भी नहीं जुड़ा है॥

हम घर की सच्चाई छिपाते हैं।
घर की शोभा को बढ़ाते हैं॥
रहे भले कुछ भी खास नहीं ,
पर उससे ज्यादा बतलाते हैं।
इसीलिये घर में जब भी,
कोई शुभ काम होता है।
सब से पहले हमीं को,
रँगवाते पुतवाते हैं॥

पहले नहीं थी,
डोर बेल बजाने की प्रवृति।
हमने जीवित रखा था
जीवन मूल्य,
संस्कार और अपनी संस्कृति॥

अब तो कॉलोनी के किसी भी घर में,
दो पल्ले के "किवाड़" रहे ही नहीं !
घर नहीं अब फ्लैट हैं,
गेट हैं इक पल्ले के॥
खुलते हैं सिर्फ एक झटके से।
पूरा घर दिखता बेखटके से॥

दो पल्ले के "किवाड़" में,
एक पल्ले की आड़ में ,
घर की बेटी या नव वधु,
किसी भी आगन्तुक को ,
जो वो पूछता बता देती थीं।
अपना चेहरा व शरीर छिपा लेती थीं॥

एजेंडा पाँच: बेसलाइन आकलन के बाद

आप सभी के मेहनत एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की वजह से उपचारात्मक शिक्षण हेतु मिशन लर्निंग आउटकम कम्पलीशन का बेसलाइन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अब उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद आपके द्वारा भरे गए ओ एम आर शीट के अनुसार डाटा प्रविष्टि का कार्य संपन्न किया जाएगा। इस प्रकार भरे हुए डाटा का जिले स्तर पर क्रोस वेरिफिकेशन करना होगा। राज्य स्तर पर भी सेम्पल उत्तर पुस्तिकाएं एवं उनकी प्रविष्टि की जांच कर क्रोस-वेरिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद हमें निम्नलिखित कार्य करने होंगे ताकि बच्चों की उपलब्धि में अपेक्षित सुधार दिखाई दे सके-

(i) डाटा विश्लेषण के आधार पर शुरुआती स्तर (beginner level-BL) पर आए बच्चों के साथ मूलभूत दक्षताओं पर समुदाय के सहयोग से शाला समय से अतिरिक्त समय में कार्य किया जाना होगा। अपनी कक्षा से कुछ स्तर पीछे (Below Class Level- BCL) के बच्चों को कक्षा अनुरूप स्तर तक लाने शिक्षकों का प्रशिक्षण एवं कक्षा में पियर लर्निंग को बढावा देना होगा। कक्षा के अनुरूप स्तर (Class Appropriate Level- CAL) के बच्चों की पढाई पर ध्यान देते हुए उन्हें प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाना होगा।

(ii) जिले एवं विकासखंड स्तर पर विषय आधारित प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाकर उनके माध्यम से विषय शिक्षण को रोचक एवं प्रभावशाली बनाने हेतु जिले के सभी शिक्षकों को उनके साथ टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ना आवश्यक होगा।

(iii) विषय में प्रवीणता रखने वाले शिक्षकों के माध्यम से परीक्षा की तैयारी हेतु आनलाइन कक्षाओं का आयोजन भी करना होगा जिसे सभी शालाएं अपने अपने स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से देख सकेंगे।

(iv) प्राचार्य/ प्रधानाध्यापक द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों में विशेष कोचिंग कक्षाओं के आयोजन हेतु संकुल के भीतर के कुछ शिक्षकों अथवा समुदाय से शिक्षक चयन कर उनके माध्यम से शाला समय से अलग विशेष कोचिंग कक्षाओं का आयोजन करना होगा।

(v) बच्चों को अभ्यास हेतु गत वर्षों में उपलब्ध करवाई गयी अभ्यास पुस्तिकाएँ देते हुए उन पर अभ्यास करवाएं।

(vi) हस्तलेख सुधारने हेतु भी कक्षा में प्रतिदिन बच्चों को अभ्यास देते हुए उनके हस्तलेख में हो रहे सुधार पर नजर रखें

(vii) शिक्षकों को टेक्नोलोजी के उपयोग हेतु प्रशिक्षित करते हुए टेली-प्रेक्टीज एवं निक्लर एप्प का सभी कक्षाओं में उपयोग सुनिश्चित करें एवं सभी शालाओं में इंटरनेट रिचार्ज हेतु उपलब्ध राशि का बेहतर उपयोग करें।

एजेंडा छह: सभी बच्चों में मूलभूत दक्षताओं का विकास

माह नवंबर में होने वाले असर सर्वे में इस बार हमारे राज्य को बेहतर प्रदर्शन करना है | गत वर्ष आयोजित सर्वे में आपके जिलों की स्थिति बहुत ही खराब थी | इसे आप ग्राफ से देख सकते हैं-

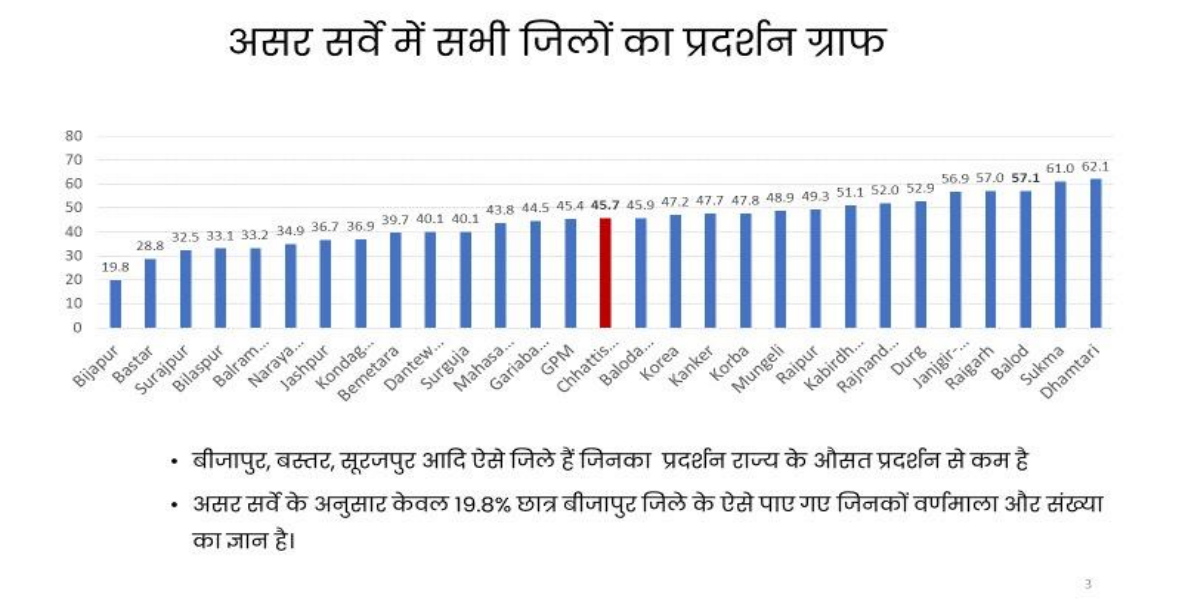

गत सर्वे में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों का प्रदर्शन भी देखा जाए तो बहुत ही कमजोर था | बहुत वर्ष हो गए हमारे राज्य को स्कूली शिक्षा में देश में कुछ बेहतर कर दिखाने का | चाहे राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण हो या कोई और परीक्षण, हमारा राज्य हमेशा आख़िरी से पहले नंबर पर आ रहा है | सभी इस मुद्दे पर सोचें ! क्या हम नवंबर में आयोजित होने वाले असर सर्वे में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और अपने राज्य की स्थिति देश में प्रथम पांच तक पहुंचा सकते हैं ?

असर सर्वे में क्या होता है ?

जिले के कुछ चयनित गाँवों में कुछ सेम्पल घरों में जाकर बच्चों का भाषा एवं गणित में टेस्ट लिया जाता है| यह टेस्ट स्कूल जाने वाले या न जाने वाले किसी भी बच्चे का सेम्पल के आधार पर हो सकता है | बच्चों को एक पैराग्राफ पढने दिया जाता है | यदि वह उसे पढ़ नहीं पाए तो वाक्य, नहीं तो शब्द और अंत में वर्ण पढने देते हुए उसके स्तर की जाँच होती है | इसी प्रकार गणित में भी भाग के सवाल नहीं कर पाने पर जोड़, घटाव और फिर अंकों की पहचान करने का अवसर दिया जाता है | हमारी तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि हमारे सभी बच्चे उच्च स्तर पर रहें |

हमें क्या करना चाहिए ?

सभी गाँवों में प्रत्येक बच्चे के साथ मिलकर उन्हें पढने एवं गणित से संबंधित सवाल देकर उन पर अधिक से अधिक अभ्यास करवाया जाना चाहिए | बच्चों को अंग्रेजी पढने का भी पर्याप्त अभ्यास करवाएं | कई बार किसी नए व्यक्ति द्वारा सवाल पूछे जाने पर भी बच्चे झिझक जाते हैं अतः समुदाय से अधिक से अधिक व्यक्तियों को इस कार्य हेतु प्रेरित कर बच्चों को अधिक से अधिक अभ्यास करवाएं | इसके लिए जिले स्तर से टूल बनाकर भेजें |

एजेंडा सात: मूलभूत दक्षताओं में हितग्राहियों का विकास

स्कूल शिक्षा मंत्रालय द्वारा समीक्षा किए जाने वाले नियमित सूचकांकों में से एक है- FLN के क्रियान्वयन हेतु मेंटर-मेंटी तय कर FLN लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में मिलकर कार्य करना और इसके लिए सभी हितग्राहियों का क्षमता विकास। इस कार्य को संपादित किए जाने हेतु निम्नलिखित तैयारियां करनी होगी-

1. राज्य स्तर पर एक कुशल टीम का गठन कर कार्यक्रम डिजाइन करना (31 अक्टूबर तक)
2. संभाग मुख्यालयों में प्रत्येक विकासखंड से दो दो कुशल मेंटर (भाषा एवं गणित) का चार दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम (नवंबर प्रथम सप्ताह तक)
3. जिला मुख्यालयों में प्रत्येक संकुल से दो दो कुशल मेंटर (भाषा एवं गणित) का चार दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम (नवंबर द्वितीय सप्ताह तक)
4. संकुल स्तर पर शिक्षकों का चार दिवसीय उन्मुखीकरण (नवंबर अंतिम सप्ताह तक)
5. विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों विशेषकर शाला संकुल प्राचार्यों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण (नवंबर अंतिम सप्ताह तक)

संभाग के मुख्यालय वाले जिले में संभाग के सभी विकासखंडों से दो दो कुशल स्रोत व्यक्तियों के आवास एवं प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था करनी होगी। इसी प्रकार सभी विकासखंडों को अपने सभी संकुल से दो दो स्रोत व्यक्तियों के चार दिवसीय प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी होगी। संकुल स्तर पर कम से कम दो से तीन संकुलों को मिलाकर बच्चों के सीखने को कम से कम प्रभावित कर शिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित करना होगा। ये प्रशिक्षण एक साथ आयोजित न करते हुए शनिवार एवं कुछ दिनों की आड़ में कर सकते हैं। प्रत्येक प्रशिक्षण केंद्र में वहां के ऐसे स्थानीय शिक्षकों का चयन करें जो (i) खिलौनों का उपयोग कर सिखाने में सहयोग दे सके (ii) FLN पर आधारित TLM बनाकर उनके उपयोग में दक्ष हो (iii) स्थानीय भाषा में बिग बुक बनाने में दक्ष हो (iv) गणित एवं अंग्रेजी में बेहतर क्वालिटी के TLM बनाकर प्रशिक्षण दे सके

प्रशिक्षण में शामिल होने वाले शिक्षकों को शामिल होने से पूर्व निम्नलिखित असाइनमेंट को पूरा करके लाना होगा-

(i) निपुण भारत के लक्ष्यों का अध्ययन कर उनकी प्राप्ति के लिए विभिन्न गतिविधियों के बारे में समझ विकसित कर आना

(ii) आपकी शाला में बच्चों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और आपके द्वारा कक्षा में बच्चों का सीखना आसान करने हेतु किए जा रहे विभिन्न उपायों की जानकारी

(iii) आपकी शाला में बच्चों के पढने के कौशल के विकास के संबंध में वस्तुस्थिति एवं उनमें सुधार हेतु लाए जा रहे विभिन्न प्रयास

(iv) बच्चों को रचनात्मक लेखन के अवसर देते हुए उनके द्वारा लिखे गए कुछ नमूने।

(v) कक्षाओं में गणित सिखाने हेतु उपयोग में लाए जा रहे कुछ नवाचारी उपाय।

(vi) बच्चों द्वारा गणित में विभिन्न सवालों को हल करने के नमूने एवं बच्चों द्वारा की जा रही विभिन्न गलतियों से सीख लेते हुए उन्हें सुधारे जाने हेतु सीखने-सिखाने की गतिविधियों में अपेक्षित बदलाव हेतु कुछ सुझाव

(vii) बच्चों की स्थानीय भाषा में कक्षा में वार्तालाप हेतु वार्तालाप पुस्तिका तैयार कर उसकी नमूना प्रति साथ में लाना (संकुल/ विकासखंड स्तर पर मिलकर बनाएं)।

(viii) बच्चों की भाषा से संबंधित विभिन्न शब्दों को एकत्र कर डिक्शनरी बनाकर लाएं।

(ix) बच्चों को उनके परिवेश की वस्तुओं को अंग्रेजी में बोल पाने हेतु शब्दों को एकत्र कर उनके उपयोग हेतु प्रेरित करें, सीखकर बोलने का अवसर देवें।

(x) बच्चों की भाषा में आसान, प्रचलित गीत-कविताओं का संकलन कर उन्हें हाव-भाव के साथ गाने का अभ्यास कर कम से कम दस स्थानीय/ हिन्दी गीतों का अच्छे से अभ्यास करके प्रशिक्षण में उपस्थित होंगे।

संभाग एवं विकासखंड स्तर पर जाने वाले शिक्षक साथी इसकी पूरी तैयारी कर लेंगे। संकुल स्तर पर आयोजित होने वाले चार दिवसीय प्रशिक्षण के पूर्व सभी संकुलों के शिक्षकों के पास उपरोक्त बिन्दुओं पर आवश्यक सामग्री के साथ प्रस्तुतीकरण हेतु पूरी तैयारी की जिम्मेदारी संकुल एवं विकासखंड स्रोत समन्वयकों की होगी। जिला FLN टास्क फ़ोर्स इन सबको सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक शिक्षक को उपरोक्त बिन्दुंओं पर पूरी तैयारी होनी चाहिए।

इस प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों के साथ निम्नलिखित मुद्दों पर कार्य किया जाएगा-

(i) शिक्षक छोटे-छोटे समूह में बैठकर निपुण भारत के विभिन्न दक्षताओं को लेकर उन पर आधारित पाठ योजना एवं गतिविधियों का चयन कर उनका प्रदर्शन करेंगे।

(ii) शिक्षक दो-दो के समूह बनाकर एक दूसरे के पठन स्पीड एवं समझ की जांच कर पूरी प्रक्रिया को समझेंगे एवं अपने पठन स्पीड को बढाने की दिशा में काम करेंगे।

(iii) समान भाषा समूह के बच्चों के साथ काम कर रहे शिक्षक अपने बच्चों की भाषा में कक्षा में उपयोग हेतु वार्तालाप पुस्तिका एवं शब्दकोष बनाने का कार्य करेंगे।

(iv) स्पोकन इंग्लिश के लिए आपस में मिलकर वर्कशीट्स के आधार पर अभ्यास करवाएंगे।

(v) प्रत्येक शिक्षक को कम से कम दस गीतों-कविताओं एवं कहानियों को पूरे हाव-भाव के साथ गाने / सुनाने का अच्छे से अभ्यास कर निपुण होकर प्रशिक्षण के बाद उनका कक्षा में उपयोग कर सकेंगे।

(vi) गणित में अभ्यास हेतु विभिन्न गतिविधियाँ एवं सहायक सामग्री आदि से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

(vii) FLN पर आधारित प्री एवं पोस्ट टेस्ट लिए जाएँगे ताकि प्रशिक्षण से हुए बदलाव का आकलन हो सके।

इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन हेतु प्रशिक्षण केंद्र में निम्नलिखित संसाधन उपलब्ध होने चाहिए-

(i) पूरे प्रशिक्षण की मानिटरिंग एवं सफल संचालन हेतु जिले एवं विकासखंड स्तर पर एक पूरी टीम तैयार रहेगी जिसमें जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी, कार्यक्रम के लिए चयनित नोडल अधिकारी, जिला टास्क फ़ोर्स, कुशल मेंटर्स, इच्छुक सेवानिवृत्त शिक्षकों को शामिल किया जाएगा।

(ii) संभाग एवं विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्रों में पर्याप्त सुविधाजनक बैठक व्यवस्था, छोटे-छोटे समूह में कार्य करने हेतु स्थान, पीपीटी दिखाने अच्छी क्वालिटी के प्रोजेक्टर की उपलब्धता एवं साउंड सिस्टम के साथ साथ चार्ट-पोस्टर-मार्कर आदि की व्यवस्था।

(iii) FLN से संबंधित सभी साहित्य एवं मोड्यूल जो राज्य कार्यालय से विगत सत्र में तैयार कर शालाओं में वितरण के लिए मुद्रित कर भेजा जा रहा है, की प्रतियाँ प्रशिक्षण केंद्र में निर्धारित संख्या में उपलब्ध हो।

(iv) स्थानीय स्तर पर ऐसे शिक्षक जो खिलौने बनाकर उसके माध्यम से सिखाने, FLN आधारित TLM बनाकर उपयोग करने में, स्थानीय भाषा में विशेषज्ञ शिक्षकों की सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए।

एजेंडा आठ: एक शिक्षक का दर्द

आप मेरा परिचय गोपनीय रखेंगे 🙏 🙏

आप इतना अच्छा सोच के साथ अच्छी से अच्छी योजना लाते है प्लान करते है। लेकिन फील्ड में उसका कोई माई - बाप नहीं ऊपर से नीचे भ्रष्टाचार में लिप्त है सर ji

एक शिक्षक बेहतर काम करता है तो लोग उसका मज़ाक उड़ाते है पागल समझते है और चूँकि दूसरा शिक्षक को बिना काम किये ही बराबर माह के अंत में वेतन मिल जाता है। कोई शिक्षक तबियत खराब है करके माह - माह भर अनुपस्थित है तब भी उनका वेतन मिल जाता है।

कोई स्कूल तो आता है लेकिन बच्चों के साथ बैठकर बात तक नहीं करता फिर भी वेतन बराबर टाईम में मिलता है। कोई शिक्षक प्रतिदिन ऑफिस के अधिकारी, बाबू के आगे पीछे घूम रहे फिर भी वेतन मि रहा है। कोई शिक्षक कभी भी टाईम में आता है और न जाता है और न उनके स्कूल के बच्चों की स्तर सुधार में कोई काम हुआ है फिर भी वेतन मिल रहा है। कुछ शिक्षक CAC बनकर न स्कूल में कोई कार्य कर रहे और न ही संकुल में किसी प्रकार का अपडेट कर रहे है। क्योंकि वह खुद न समय पर किसी स्कूल में जाते और न अपने आपको मैसेज के अनुसार अपडेट करते है।

संकुल बैठक में बदलाव के लिए आप विगत 8 - 9 वर्षो से चर्चा प्रपत्र जारी कर रहे। उसमें चर्चा के लिए कम से कम 4-5 घंटे समय चाहिए लेकिन शिक्षक 5 घण्टे बैठने को तैयार ही नहीं है क्योंकि बगल वाले संकुल में तो ऐसा होता ही नहीं हमारे संकुल इतना समय तक मीटिंग क्यों रखा जाता है? शिक्षक सम्मान की बात आती ब्लॉक, जिला या राज्य में केवल उन्ही शिक्षक को ही बार बार अवसर मिलता है जो वाट्सअप फेसबुक, और अन्य मिडिया में अपने आपको एक्टिव रखता है, उसके स्कूल के कितने बच्चों को लर्निंग आउटकम की प्राप्ति हुई है कोई देखने वाले नहीं है। अभी पदोन्नति हो रही है किस बात की पदोन्नति घोड़ा - गधा एक सामान जो कभी समय पर स्कूल नहीं गए, जो कभी बच्चों के साथ बैठकर काम नहीं किये, जो दिन - रात शराब के नशे में डूबे है, ऐसे कई अन्य कारणों में लिप्त है इनको किस लिए पदोन्नति?

और यदि बिना काम के वेतन और पदोन्नति मिले और पदोन्नति भी उनके मनमाफिक जगह पर और जो काम करने वाले है वह कई वर्षो के वही पड़े है या उन्हें और जितना हो सके खराब गांव में भेज दिया जाता है। कौन शिक्षक क्यू आर कोड को देखेगा? क्यों स्कूल में बच्चों के लर्निंग आउटकम पर कार्य करेगा। क्यों अंगना म शिक्षा पर करेगा? क्यों रूम टू रीड, सरल, सम्भवना जैसे पुस्तक पर कार्य करेगा?

मुझे तो शिक्षा सचिव महोदय ji के बात अच्छी लगी थी की चलो कुछ सुधार की दिशा में कोई कदम बढ़ा रहे। उन्होंने कहा था कि अच्छे कार्य कर रहे है उन्हें डबल पदोन्नति दे या उन्हें अपने घर के आस पास भेज दिया जाये, और जो अच्छे कार्य नहीं कर रहे है उन्हें दंड दिया जाये, हो लेकिन उल्टा रहा है महोदय ji

जो काम नहीं कर रहे उन्हें सारा फायदा मिल रहा और जो काम कर रहे उन्हें दंड दिया जा रहा। लेकिन सच्चाई यही है सर ji इसलिए हमारे राज्य में शिक्षा का स्तर नीचे है। अगर मेरी कोई बात गलत लग रही हो या मैंने कोई गलत लिखा हो तो मुझे माफ कर दीजियेगा सर ji 🙏 🙏

और अंतिम में पुनः निवेदन सर ji आप मेरा परिचय गुप्त रखिए 🙏 🙏

हाल ही में कैसे रचनात्मक सोच के साथ शिक्षकों के नवाचारी समूह ने राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम करते हुए अच्छे शिक्षकों को पुरस्कृत करते हुए एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया ! ऐसी स्थिति में सुधार लाने का काम शिक्षक ही कर सकते हैं। अपने बीच से कैसे ऐसे शिक्षकों में बदलाव लाया जाए, कैसे अच्छाइयों को महत्व मिले, सम्मान मिले ? **कैसे, ज़रा सोचें !!**

एजेंडा नौ: विभिन्न अनुदान राशियों का उपयोग

समग्र शिक्षा से पहले जो राशि स्कूलों को जाती थी उसे कई स्कूल उस वित्तीय वर्ष में व्यय न कर अपने खाते में जमा रखते थे। इससे उस वित्तीय वर्ष में प्राप्त राशि का स्कूलों के विकास एवं आवश्यकताओं में उपयोग नहीं हो पाता था। इस कमी को दूर करने अब पीएँफ़एमएस प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत आपको बजट व्यय करने की सीमा एवं प्रक्रिया संबंधी आदेश जारी किया जाता है और आपको उसी कार्य के लिए उसी सीमा के भीतर बजट का व्यय करना होता है। राशि राज्य के एक ही खाते में होती है और आपके द्वारा व्यय करने पर उसी में से कम होती है या निकलती है। आपको स्वीकृत बजट समय पर व्यय नहीं करने की स्थिति में लेप्स हो जाता है और वह किसी के उपयोग का नहीं रह जाता। ऐसे में आपको जो भी बजट स्वीकृत होता है, उसे समयसीमा के भीतर व्यय किया जाना सुनिश्चित कर लेवें। अभी तक मुख्य रूप से इन कार्यों के लिए बजट जारी किया गया है-

1. शाला अनुदान- बच्चों की दर्ज संख्या के अनुसार इसे शाला के दिन-प्रतिदिन के कार्यों पर होने वाले व्यय के लिए जारी किया गया है। इसका 10% स्वच्छता पर व्यय करना है
2. गणित एवं विज्ञान क्लब के संचालन हेतु बजट: सभी हाई-हायर सेकन्डरी स्कूलों एवं चुनिन्दा एलिमेंटरी स्तर के स्कूलों को पांच हजार रूपए का बजट स्वीकृत किया गया है। गणित एवं विज्ञान क्लब के संचालन हेतु विस्तृत दिशानिर्देश cgschool.in के मुखपृष्ठ पर डाउन लोड करने हेतु उपलब्ध हैं
3. व्यवसायिक शिक्षा से परिचय हेतु जिलों के 30-30 उच्च प्राथमिक शालाओं को प्रति शाला दस हजार रूपए जारी किए गए हैं जिसके माध्यम से उन्हें बस्ताविहीन कक्षा, शैक्षिक भ्रमण एवं प्रदर्शनी आयोजित करनी है
4. प्राथमिक शालाओं में प्रिंट-रिच वातावरण तैयार करने रूपए 2500/-एवं इंटरनेट रिचार्ज हेतु प्रति प्राथमिक शाला रूपए 1000/- जारी किया जा रहा है
5. बालवाडी के साथ संचालित प्राथमिक शालाओं को बालवाडी संचालन हेतु समुदाय के साथ मिलकर बोटम अप प्लानिंग के आयोजन हेतु ऐसे प्रति प्राथमिक शाला को रूपए 400/- जारी किया गया है
6. प्रारंभिक स्तर पर शाला प्रबन्धन समिति के प्रशिक्षण एवं निर्धारित तिथियों में तीन बैठकों के आयोजन हेतु प्रति शाला रूपए 2280/- जारी किया गया है। इसी प्रकार हाई एवं हायर सेकन्डरी शालाओं को SMDC की तीन बैठकों के आयोजन एवं उनके प्रशिक्षण हेतु 3000 /- का बजट सभी शालाओं को जारी कर दिया गया है
7. सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु सभी शालाओं को रूपए 800/- जारी किया गया है जिसके माध्यम से माताओं का उन्मुखीकरण एवं शिक्षक पालक बैठकों का आयोजन कर सकते हैं
8. उपचारात्मक शिक्षण हेतु उच्च प्राथमिक एवं हाई-हायर सेकन्डरी स्कूल को इंटरनेट रिचार्ज हेतु रूपए 2500/, विशेष कोचिंग कक्षाओं के संचालन हेतु मानदेय देने रूपए प्रति विद्यार्थी 150/-प्रतिमाह तीन माह के लिए, निक्लर एवं टेली-प्रेक्टीज के नियमित उपयोग हेतु प्रति विद्यार्थी 20/- जारी किया जा रहा है । इस योजना में परीक्षा की तैयारी के लिए आनलाइन कक्षाएं लेने वाले शिक्षकों को प्रति कक्षा 450/- का मानदेय दिया जाएगा
9. बालिकाओं को आत्मरक्षा पर आधारित प्रशिक्षण देने हेतु उच्च प्राथमिक शालाओं एवं हाई-हायर सेकन्डरी शालाओं को रूपए 5000/-की दर से बजट स्वीकृत किया गया है
10. बच्चों के शैक्षणिक भ्रमण एवं अन्य कई योजनाओं में भी शीघ्र बजट जारी किया जाएगा। बजट के जारी होने के संबंध में विवरण आपको टेलीग्राम चेनल में दिया जा सकेगा अतः उससे जुड़ें

स्वीकृत बजट समय रहते व्यय करें अन्यथा आपको स्वीकृत बजट लैप्स हो जाएगा

एजेंडा दस: सभी शालाओं में प्राथमिकता से किए जाने हेतु कुछ महत्वपूर्ण कार्य

माह जनवरी, 2023 में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों की समीक्षा बैठक में स्कूली शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जानकारी ली जाएगी। इस बैठक में पूर्व में हुई बैठक में दिए गए सुझावों के शालाओं में क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति के संबंध में सूचना देनी होगी। ऐसी जानकारियों को सीधे स्कूलों से आपके माध्यम से लेने हेतु आपके जिले के सभी स्कूल टेलीग्राम से जुड़े होने चाहिए। जिले की सभी शालाओं में निम्नलिखित कार्यों को प्रमुखता एवं प्राथमिकता से पूरा कर लेवें एवं इसे आगे भी नियमित जारी रखें ताकि बच्चों की उपलब्धि में सुधार लाया जा सके-

- पालकों को जागरूक करते हुए उनकी सक्रिय सहभागिता हेतु पालक जागरूकता अभियान एवं शाला प्रबंधन समितियों का प्रशिक्षण आयोजित करवाना
- निजी और सरकारी स्कूलों के बीच ट्विनिंग (Twinning of private & Govt. Schools)
- स्कूलों और आंगनबाडी के बीच बेहतर एकीकरण एवं स्कूल द्वारा आंगनबाडी में जाकर वहां की पढाई में सहयोग देना एवं आवश्यक मार्गदर्शन देना (Greater Integration between Schools & Anganbadi Centre)
- मध्याह्न भोजन के साथ समुदाय के सहयोग से किसी विशेष व्यक्ति की स्मृति में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन के साथ अतिरिक्त स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन का वितरण-विशेष अवसरों पर गाँव में समुदाय के सहयोग से तिथि भोजन का आयोजन स्कूलों में किया जाना
- शिक्षकों द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को अपने साथ पर प्रतिनिधि या एवजी के रूप में रखने की समस्या के हल के लिए प्रत्येक शाला के बाहरी दीवार पर शिक्षकों को फोटो लगाए जाने संबंधी निर्देशों का पालन
- शालाओं में सेवानिवृत्त शिक्षकों द्वारा मेंटर के रूप में अध्यापन हेतु सहयोग देना
- कक्षाओं में बच्चों को एक दूसरे से सीखने हेतु पियर लर्निंग का अवसर नियमित रूप से दिया जाना
- शिक्षकों ने भी एक दूसरे से सीखने हेतु प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन कर सक्रिय रोल
- स्कूलों में पुराने विद्यार्थियों को जोड़ने हेतु एलुमिनी बनाकर उन्हें एकत्र करते हुए स्कूल में बैठक एवं स्कूल के विकास के सहयोग देने हेतु प्रेरित किया जाना है
- शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति को एकत्र कर उनका आकलन करने की व्यवस्था
- संकुल स्तर पर चर्चा पत्र के आधार पर मासिक अकादमिक बैठकों का आयोजन
- सभी शाला के शिक्षकों द्वारा आन-डिमांड प्रशिक्षण में अपनी आवश्यकतानुसार रुचि दिखाना
- आपकी शाला को विद्यान्ज्ली पोर्टल में दर्ज करना और शाला को इसके माध्यम से सहयोग लेना
- स्कूल में आगामी राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण के परिणामों के सुधार के लिए आवश्यक विशेष प्रयास
- कक्षा पहली में शाला के लिए तैयारी का 90 दिनों के मोड्यूल पर कार्य जारी रखना
- शुरुआती कक्षाओं में स्थानीय भाषा का उपयोग किया जाना
- बच्चों के पढने के स्पीड पर ध्यान दिया जाना
- उच्च प्राथमिक स्तर पर व्यवसायिक शिक्षा से परिचय हेतु बस्ताविहीन कक्षाएं आयोजित करना
- दीक्षा का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना